भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

मौखिक प्रश्न सं. *253

जिसका उत्तर 05.12.2019 को दिया जाना है

राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं

*253. श्रीमती रीती पाठकः

श्री शंकर लालवानीः

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) मध्य प्रदेश में उन राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जो अपने लक्ष्य से क्रमशः एक वर्ष और दो वर्षों से अधिक समय से पीछे चल रही हैं और इसके क्या कारण हैं;

(ख) सरकार द्वारा परियोजनाओं को अब अविलंब शीघ्र पूरा करने के लिए कार्य में तीव्रता लाने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं;

(ग) विगत तीन वर्षों के प्रत्येक वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों को कितनी निधि आवंटित की गई;

(घ) इंदौर से इच्छापुर तक राष्ट्रीय राजमार्ग का निर्माण कब तक पूरा किए जाने की संभावना है; और

(ङ) इंदौर से नेताजी नगर तक बाईपास के निर्माण को कब तक शुरू किया जाएगा?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री

(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ड.): एक विवरण सभा-पटल पर रखा जाता है।

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं' के संबंध में श्रीमती रीती पाठक और श्री शंकर लालवानी द्वारा दिनांक 05.12.2019 को पूछे गए लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 253 के भाग (क) से (ड.) के उत्तर में उल्लिखित विवरण

(क): मध्य प्रदेश राज्य में एक वर्ष और दो वर्ष से अधिक से पीछे चल रही रारा परियोजनाएं का ब्यौरा विलंब के कारणों सहित क्रमश: **अनुलग्नक-I** और **II** पर दिया गया है।

(ख): इन परियोजनाओं में तेजी लाने के लिए, विभिन्न कदम जैसे भूमि अधिग्रहण और वन स्वीकृति को कारगर बनाने, प्रीमियम का पुन:निर्धारण, अन्य मंत्रालयों के साथ गहन समन्वय, विवाद समाधान तंत्र का पुनरुद्धार, प्रोजेक्ट डेवलपर्स, राज्य सरकारों और ठेकेदारों के साथ विभिन्न स्तरों पर नियमित समीक्षा बैठकें, इत्यादि उठाए गए हैं।

(ग): गत तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के दौरान मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास और अनुरक्षण के लिए आबंटित निधियों का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

(करोड़ रु. में)

क्र. सं.	वर्ष	रारा (मूल) के तहत आबंटन	एनएचएआइ* व्यय	एम ऐंड आर के तहत आबंटन
1.	2016-17	1760.00	1479.79	24.35
2	2017-18	855.00	2354.00	75.37
3	2018-19	1665.00	3228.00	40.59

* मंत्रालय भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को राज्य-वार आबंटन नहीं करता है।

(घ): इंदौर से इच्छापुर राष्ट्रीय राजमार्ग में 2 राष्ट्रीय राजमार्ग इंदौर - तेजाजी नगर - बलवाड़ा - सनावाद- देशगांव खंड हैं जो रारा-347बीजी के रूप में है जबकि देशगांव - छेगांव माखन - इच्छापुर का खंड रारा-753एल है। भारतमाला परियोजना कार्यक्रम के तहत कार्यान्वयन हेतु शामिल इंदौर से एदलाबाद (इच्छापुर) खंड इंदौर - हैदराबाद आर्थिक गलियारा का भाग है। वर्तमान में, इंदौर से इच्छापुर तक का खंड डीपीआर स्तर पर है। खंड को डीपीआर और भूमि अधिग्रहण का कार्य पूरा होने के पश्चात् विकसित किया जाएगा। कार्य सौंपने के लगभग 2.5 वर्ष बाद परियोजना पूरी होगी

(ड.): राज्य सरकार को अपनी लागत पर रारा-347बीजी का इंदौर से तेजाजी नगर (इंदौर/भंवरकुआं से तेजाजी नगर) किमी 2+500 से किमी 9+000 तक के शहरी भाग के अतिक्रमण को हटाने तथा जन सुविधाओं के स्थानांतरण के लिए निर्देशित किया गया है। बाइपासों का निर्माण राज्य सरकार द्वारा निर्माण-पूर्व कार्यकलापों को पूरा करने पर निर्भर करता है।

अनुलग्नक -I

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं' के संबंध में श्रीमती रीती पाठक और श्री शंकर लालवानी द्वारा दिनांक 05.12.2019 को पूछे गए लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 253 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

मध्य प्रदेश में एक वर्ष पीछे चल रही रारा परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	परियोजना का नाम	रारा सं.	कुल लंबाई (किमी में)	प्रारंभ की तारीख	अनुबंध के अनुसार पूरा करने की तारीख	पूरा करने की वास्तविक/ संभावित तारीख	विलंब के कारण
1	रारा-7 के जबलपुर - लखनादोन खंड के किमी 465.500 से किमी 546.425 तक को चार लेन का बनाना	7	80.82	जून-2015	नवं.-2017	दिसं.-2019	परियोजना भूमि अधिग्रहण मुद्दों के कारण, वृक्षों की कटाई और जन सुविधाओं के स्थानांतरण में विलंब, ईपीसी ठेकेदार के द्वारा कम संसाधन जुटाने तथा खराब आयोजना के कारण विलंबित हुई।
2	रारा-86 (विस्तार) के भोपाल -सांची खंड के किमी 0.000 से किमी 53.775 तक पेव्ड शोल्डर सहित 2 लेन का शेष कार्य	86 वि.	53.775	जनवरी-2017	जनवरी-2019	फरवरी-2020	किमी 11 पर पुल के लिए भूमि अधिग्रहण तथा किमी 43 पर बड़े पुल पर धार्मिक संरचना को हटाने के कारण विलंब हुआ।
3	रारा-12 के मौजूदा किमी 130/10 से किमी 194/0 [डिजाइन चै. 130.000 से चै. 193.000] तक सिंदूर नदी से बरेली बाइपास के प्रारंभ तक 4 लेन+ पीएस में पुनर्स्थापन और उन्नयन	12	63	जुलाई-2016	जुलाई-2018	फरवरी-2020	प्रारंभिक विलंब भूमि अधिग्रहण तथा उसके बाद ठेकेदार के वित्तीय संकट के कारण हुआ।

अनुलग्नक -II

'राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं' के संबंध में श्रीमती रीती पाठक और श्री शंकर लालवानी द्वारा दिनांक 05.12.2019 को पूछे गए लोक सभा मौखिक प्रश्न संख्या 253 के भाग (क) के उत्तर में उल्लिखित अनुलग्नक

मध्य प्रदेश में दो वर्ष से अधिक पीछे चल रही रारा परियोजनाओं का ब्यौरा

क्र. सं.	परियोजना का नाम	रारा सं.	कुल लंबाई (किमी में)	प्रारंभ की तारीख	अनुबंध के अनुसार पूरा करने की तारीख	पूरा करने की वास्तविक/ संभावित तारीख	विलंब के कारण
1	रारा-75 के ग्वालियर - झांसी खंड के किमी 16.000 से किमी 96.125 तक को चार लेन का बनाना	75	82.5	जून, 2007	दिसं.-2009	अग.-2020	भूमि अधिग्रहण में विलंब और रियायतग्राही की खराब आयोजना
2	रारा-75ई के सीधी से सिंगरौली खंड के किमी 83/4 से किमी 195/8 तक 4 लेन+ पीएस में पुनस्थार्पन और उन्नयन	75ई	102.6	सितं.-13	सितं.-15	मार्च-20	प्रारंभिक विलंब भूमि अधिग्रहण तथा रियायतग्राही के वित्तीय संकट के कारण हुआ।
3	रारा-86 पर किमी 188/4 पर सागर - छतरपुर सड़क पर बड़े पुल का निर्माण	86	-	मई-15	अप्रैल-17	दिसं.-19	भूमि अधिग्रहण में विलंब विशेषकर पुल के पहुंचमार्गों में, के कारण प्रारंभिक विलंब
4	रारा-12ए के बरेला से मांडला खंड के मौजूदा किमी 22/8 से किमी 89/6 तक 2 लेन+ पीएस में पुनस्थार्पन और उन्नयन	12ए	63.55	दिसं.-15	जून-17	मार्च-20	प्रारंभिक विलंब भूमि अधिग्रहण के कारण और उसके बाद ठेकेदार के वित्तीय संकट के कारण हुआ।
5	रारा-78 के बीरसिंहपुर और शहडोल बाइपास के निर्माण सहित उमरिया से शहडोल खंड के मौजूदा किमी 68/4 से किमी 142/2 तक का पुनस्थार्पन और उन्नयन	78	73.1	अग.-15	जुलाई-17	फरवरी-20	प्रारंभिक विलंब भूमि अधिग्रहण के कारण और उसके बाद ठेकेदार के वित्तीय संकट के कारण हुआ।
6	रारा-86वि. पर किमी 146/8-10 पर धासन नदी के ऊपर उच्च स्तरीय पुल का निर्माण	86 वि.	-	नवं.-15	अग.-17	दिसं.-19	प्रारंभिक विलंब भूमि अधिग्रहण तथा जन सुविधाओं के स्थानांतरण के कारण हुआ।

*****